विकास कुमार ने साझा किया गणतंत्र दिवस परेड का अनुभव

गणतंत्र दिवस समारोह और उसकी भव्य परेड. यानि देशप्रेम से सराबोर एक ऐसा आयोजन जिसका हिस्सा होना हर एनएसएस स्वयंसेवक का सपना होता है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने मुझे उस सपने को जीने का अवसर दिया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की इकाई एनएसएस द्वारा राजधानी दिल्ली के अंबेडकर भवन में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर- 2017 के अंतर्गत गुज़ारे 30 दिन हर स्वयंसेवक की ज़िंदगी के सबसे यादगार लम्हों के रूप में दर्ज है। आरडी कैम्प-2017 के लिए देश के 29 राज्यों और 6 केंद्रशासित प्रदेशों के 15 क्षेत्रीय निदेशालयों से 200 स्वंसेवकों का चयन किया जाना था, जिनमें से कड़ी चयन प्रक्रिया से गुज़रकर 198 स्वयंसेवकों ने शिविर में भाग लिया। पुणे निदेशालय के अंतर्गत महाराष्ट्र से 14 व और गोवा से 2 स्वयंसेवक इस शिविर के लिए चुने गए, जिसमें महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा की एनएसएस इकाई से मैं चयनित हुआ।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ महाराष्ट्र के रासेयो स्वयंसेवकों के समूह में विकास कुमार

एक माह के अनुशासित परेड प्रशिक्षण के बाद 26 जनवरी 2017 के गणतंत्र दिवस समारोह में महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी, माननीय उप-राष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी, देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, एनएसएस निदेशक श्री नवीन अग्रवाल सहित देश-विदेश की विभिन्न गणमान्य हस्तियों की उपस्थिति में राजपथ के ऐतिहासिक मैदान में सेना की तीनों इकाइयों, अर्ध-सैनिक बलों, एनसीसी कैडेटों की टुकड़ी के बीच अंतिम रूप से चयनित एनएसएस के 160 स्वयंसेवकों के दल के साथ कदम से कदम मिलाते हुए परेड करने का अनुभव अद्भुत और शानदार रहा । परेड प्रस्तुति के पूर्व माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी तथा परेड के बाद महामहिम राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मिलने का सौभाग्य भी एनएसएस स्वयंसेवकों को प्राप्त हुआ। शिविर के अंतिम चरण में आगरा के ताजमहल दर्शन की यादों को समेटते हुए सभी स्वयंसेवक अपने-अपने गन्तव्य की ओर रवाना हुए। इस प्रकार गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2017 के माध्यम से कैम्प के प्रत्येक दिन देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को जानने, अनुशासन, भाईचारे तथा विविधता में एकता की भावना से जुड़ने का अनुभव एक स्वयंसेवक के रूप में आजीवन मेरे लिए महत्वपूर्ण और यादगार रहेगा।

विकास कुमार
विद्यार्थी (एम ए जनसंचार – चतुर्थ सेमेस्टर) तथा
स्वयंसेवक, राष्ट्रीय सेवा योजना, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

माननीय उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी जी के साथ महाराष्ट्र के रासेयो स्वयंसेवकों के समूह में विकास कुमार